Subject Code : **7210/TFU-SANS/GLE-III**

Question Booklet No. 802098

परीक्षा केन्द्राध्यक्ष की मोहर Seal of Superintendent of Examination Centre C.G. SET - 2017 Paper - III Sanskrit	परीक्षार्थी द्वारा बॉल-प्वाइण्ट पेन से भरा जाए To be filled in by Candidate by Ball-Point pen only अनुक्रमांक Roll No.	उत्तर-शीट का क्रमांक Sl. No. of Answer-Sheet
	घोषणा : मैंने नीचे दिये गये निर्देश अच्छी तरह पढ़कर समझ लिए हैं। **Declaration : I have read and understood the instructions given below.**	
वीक्षक के हस्ताक्षर (Signature of Invigilator)................................... वीक्षक के नाम (Name of Invigilator)	अभ्यर्थी के हस्ताक्षर (Signature of Candidate)... अभ्यर्थी का नाम (Name of Candidate)	

Paper : III Subject : SANSKRIT **Time : 2 Hour 30 Minutes** **Maximum Marks : 150**

इस प्रश्न-पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या Number of Pages in this Question Booklet	**16**	इस प्रश्न-पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या Number of Questions in this Question Booklet	**75**

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Immediately after getting the Booklet read instructions carefully, mentioned on the front and back page of the Question Booklet and do not open the seal given on the right hand side, unless asked by the invigilator. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet. As soon as you are instructed to open the booklet in the first 5 minutes you should compulsorily tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately within 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
2. Write your Roll No., Answer-Sheet No., in the specified places given above and put your signature.
3. Make all entries in the OMR Answer-Sheet as per the given instructions, otherwise Answer-Sheet will not be evaluated.
4. For each question in the Question Booklet choose only one correct/most appropriate answer, out of four options given and darken the circle provided against that option in the OMR Answer-Sheet, bearing the same serial number of the question. Darken the circle with **Black or Blue ball-point pen** only.
5. Darken the circle of chosen option fully, otherwise answers will not be evaluated.

   Example : (A) ● (C) (D) **If (B) is correct answer.**
6. There are **75** objective type questions in this Booklet. All questions are compulsory and carry **2** marks each.
7. Do not write anything anywhere in the Question Booklet or on the Answer-Sheet except making entries in the specified places. Rough work is to be done in the space provided in this booklet.
8. When the examination is over, original OMR Answer Sheet is to be handed over to the invigilator before leaving the examination hall, while the Question Booklet and carbon copy of the Answer-Sheet can be retained by the candidate.
9. There is no negative marks for incorrect answer.
10. Use of any calculator/log table/mobile phone is prohibited.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

1. प्रश्न-पुस्तिका मिलते ही मुख पृष्ठ एवं अंतिम पृष्ठ में दिए गए निर्देशों को अच्छी तरह पढ़ लें। दाहिनी ओर लगी सील को वीक्षक के कहने से पूर्व न खोलें। स्टीकर सील के बगैर प्रश्न पुस्तिका या खुले हुये प्रश्न पुस्तिका को स्वीकार न करें। प्रश्न पुस्तिका को खोलने के लिए जैसा ही कहा जायेगा प्रथम 5 मिनिट में अनिवार्यत: मुख पृष्ठ पर अंकित पृष्ठों की संख्या एवं प्रश्नों की संख्या को पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या एवं प्रश्नों की संख्या से मिलान कर लेवें। पृष्ठों/प्रश्नों का छूटना या पुन: मुद्रित हो जाना या क्रम में नहीं रहना या अन्य किसी विरोधाभास के कारण प्राप्त त्रुटिपूर्ण प्रश्न पुस्तिका को इन्हीं 5 मिनिट के अंदर बदलवा लेवें। इसके पश्चात न ही प्रश्न पुस्तिका बदला जा सकता है और न ही कोई अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
2. ऊपर दिए हुए निर्धारित स्थानों में अपना अनुक्रमांक, उत्तर-पुस्तिका का क्रमांक लिखें तथा अपने हस्ताक्षर करें।
3. ओ.एम.आर. उत्तर-शीट में समस्त प्रविष्टियां दिये गये निर्देशानुसार करें अन्यथा उत्तर-शीट का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
4. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु प्रश्न-पुस्तिका में प्रश्न के नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही/सबसे उपयुक्त केवल एक ही विकल्प का चयन कर ओ.एम.आर. उत्तर-शीट में उसी विकल्प वाले गोले को, जो उस प्रश्न के सरल क्रमांक से सम्बंधित हो, **काले या नीले बॉल-प्वाइण्ट पेन** से भरें।
5. सही उत्तर वाले गोले को अच्छी तरह से भरें, अन्यथा उत्तरों का मूल्यांकन नहीं होगा।

   उदाहरण : (A) ● (C) (D) **यदि (B) उत्तर सही है।**
6. प्रश्न-पुस्तिका में 75 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
7. प्रश्न-पुस्तिका तथा उत्तर-शीट में निर्दिष्ट स्थानों पर प्रविष्टियां भरने के अतिरिक्त कहीं भी कुछ न लिखें। रफ कार्य, इस पुस्तिका में उपलब्ध स्थान पर करें।
8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त तथा कक्ष छोड़ने के पूर्व मूल ओ.एम.आर. उत्तर-शीट वीक्षक को सौंपा जाए। प्रश्न-पुस्तिका एवं उत्तर-शीट की कार्बन कॉपी परीक्षार्थी अपने साथ ले जा सकते हैं।
9. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जावेगा।
10. किसी भी तरह के कैलकुलेटर/लॉग टेबल/मोबाइल फोन का प्रयोग वर्जित है।

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

संस्कृत - III

1. अधोलिखितेषु वेदव्याख्यातृषु समयानुसारं क्रमनिर्द्धारणं कुरुत –
   (A) यास्काचार्यः, स्कन्दस्वामी, सायणाचार्यः, स्वामी दयानन्दः
   (B) स्कन्दस्वामी, यास्काचार्यः, स्वामी दयानन्दः, सायणाचार्यः
   (C) यास्काचार्यः, सायणाचार्यः, स्वामी दयानन्दः, स्कन्दस्वामी
   (D) सायणाचार्यः, स्कन्दस्वामी, यास्काचार्यः, स्वामी दयानन्दः

2. संहितापाठात् पदपाठकरणे अधस्तनेषु विधानेषु किं कर्त्तव्यम्?
   (A) सर्वे स्वराः उदात्ताः कर्त्तव्याः।
   (B) सर्वाणि सन्धिजपदानि पृथक्करणीयानि।
   (C) सर्वे मूर्द्धन्यवर्णाः दन्त्यवर्णाः विधेयाः।
   (D) मन्त्रस्य अन्वयानुसारेण पदानां सज्जीकरणं विधेयम्।

3. अधस्तनयोः कथनयोः विषये समीचीनं उत्तरं विचिनुत :
   (a) लौकिकसंस्कृते उदात्तादिस्वराः प्रदर्श्यन्ते।
   (b) वैदिकसंस्कृते उदात्तादिस्वराः न प्रदर्श्यन्ते।
   (A) (a) सत्यम् (b) असत्यम्
   (B) (a) असत्यम् (b) सत्यम्
   (C) (a) सत्यम् (b) सत्यम्
   (D) (a) असत्यम् (b) असत्यम्

4. कस्य वेदस्य किमपि आरण्यकं नास्त्येव?
   (A) सामवेदस्य
   (B) अथर्ववेदस्य
   (C) ऋग्वेदस्य
   (D) शुक्लयजुर्वेदस्य

5. "येनेमा विश्वाच्यवना कृतानि यो दासं वर्णमधरं गुहाकः।" इति मंत्रांशेन सम्बद्धदेवता का?
   (A) अग्निः
   (B) इन्द्रः
   (C) वरुणः
   (D) पर्जन्यः

6. समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(a)	यज्ञेषु मेध्यपदार्थानां निन्दा	(i)	विधिः
(b)	येन कर्मकाण्डविधिः विशेषरूपेण सम्पद्यते सः	(ii)	अर्थवादः
(c)	यज्ञस्य– अनुष्ठानोपदेशम्	(iii)	निरुक्तिः
(d)	पदानां निर्वचनम्	(iv)	हेतुः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

7. (a) बृहदारण्यकोपनिषद् ऋग्वेदेन सम्बद्धा।
(b) बृहदारण्यकोपनिषदि याज्ञवल्क्य–मैत्रेयी संवादः प्राप्यते।

अनयोः कथतयोः विषये–समुचितं युग्मं चिनुत –

(A) (a) सत्यम् (b) असत्यम्

(B) (a) असत्यम् (b) सत्यम्

(C) (a) सत्यम् (b) सत्यम्

(D) (a) असत्यम् (b) असत्यम्

8. समीचीनं विकल्पं चिनुत –

(a)	उमायाः –उपदेशः	(i)	ईशोपनिषद्
(b)	मातृदेवो भव	(ii)	कठोपनिषद्
(c)	तेनत्यक्तेन भुञ्जीथा	(iii)	तैत्तिरीयोपनिषद्
(d)	रथरथी रूपकम्	(iv)	केनोपनिषद्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

9. कठोपनिषदि प्रवृत्तः संवादः कयोर्मध्ये सञ्जातः ?

(A) भृगु–वरुणयोर्मध्ये

(B) यम–नचिकेतयोर्मध्ये

(C) सुकेश–पिप्पलादयोर्मध्ये

(D) शौनक–अङ्गिरसयोर्मध्ये

10. "अथातः संहिताया उपनिषदं व्याख्यास्यामः" इयं उक्तिः कस्मिन् उपनिषदि प्राप्यते ?

(A) तैत्तिरीयोपनिषदि

(B) मुण्डकोपनिषदि

(C) प्रश्नोपनिषदि

(D) कठोपनिषदि

11. प्रश्नोपनिषदि प्रश्नकर्तारः ऋषयः सन्ति ?

(A) 04

(B) 05

(C) 06

(D) 07

12. समीचीनं क्रमं विचिनुत –

(a)	"यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम्"	(i)	बृहदारण्यकोपनिषद्
(b)	"उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्यवरान्निबोधत"	(ii)	तित्तिरीयोपनिषद्
(c)	"सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म"	(iii)	कठोपनिषद्
(d)	"असतो मा सद्गमय"	(iv)	केनोपनिषद्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

13. कठोपनिषदि नचिकेतसा प्रार्थितवराणां समुचितं क्रमं प्रदर्शयत –

(A) पितृतोषम्, स्वर्गसाधनभूता अग्निविद्या, मृत्युविज्ञानम्

(B) पितृतोषम्, मृत्युविज्ञानम्, स्वर्गसाधनभूता अग्निविद्या

(C) मृत्युविज्ञानम्, पितृतोषम्, स्वर्गसाधनभूता अग्निविद्या

(D) उपर्य्युक्तेषु न कोऽपि

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

14. अधोलिखितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(a)	स्वरवर्णाद्युच्चारणप्रकारो यत्रोपदिश्यते	(i)	कल्पशास्त्रम्
(b)	अर्थावबोधे निरपेक्षतया पदजातं यत्रोक्तम्	(ii)	ज्योतिषम्
(c)	कालज्ञापकं शास्त्रम्	(iii)	निरुक्तम्
(d)	वेदविहितानां कर्मणामानुपूर्व्येण कल्पनाशास्त्रम्	(iv)	शिक्षा

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

15. पतञ्जल्यनुसारं व्याकरणवेदाङ्गस्य प्रयोजनेषु प्रथमं प्रयोजनं किम् ?

(A) असंदेहार्थम्

(B) लघ्वर्थम्

(C) आगमः

(D) रक्षार्थं वेदानाम्

16. "तेषामेते चत्वारः उपमार्थे भवन्ति" – इति के चत्वारः निपाताः निर्दिश्यन्ते ?

(A) इव, न, चित्, नु

(B) इव, चित्, वा, उ

(C) खलु, नूनम्, मा, चित्

(D) इव, च, आ, नु

17. यास्काचार्यदिशा अन्तर्व्याप्तेः उदाहरणमस्ति –

(A) मेघः

(B) ज्योतिः

(C) द्वारः

(D) सिकता

18. वैदिकशब्दानां संग्रहात्मको ग्रन्थः ________ इति कथ्यते।

(A) निरुक्तम्

(B) निघण्टुः

(C) शब्दकल्पद्रुमः

(D) अमरकोशः

19. 'आचार्यश्चिद् इदं ब्रूयात्' अत्र 'चित्' प्रयोगः ________ अस्ति।

(A) उपमार्थे

(B) आदरार्थे

(C) प्रश्नार्थे

(D) निषेधार्थे

20. कस्मिन्नर्थे का विभक्तिर्भवति इति चिनुत –

(a)	पराजेरसोढः	(i)	तृतीया विभक्तिः
(b)	तुमर्थाच्च भाववचनात्	(ii)	द्वितीया विभक्तिः
(c)	इत्थम्भूतलक्षणे	(iii)	चतुर्थी विभक्तिः
(d)	तथा युक्तञ्चानीप्सितम्	(iv)	पञ्चमी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

21. अर्थपरिवर्त्तने किमुदाहरणं कस्यास्ति इति विचिनुत –

(a)	कुशलः	(i)	अर्थसङ्कोचः
(b)	मृगः	(ii)	अर्थापकर्षः
(c)	साहसः	(iii)	अर्थविस्तारः
(d)	हरिजनः	(iv)	अर्थोत्कर्षः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

22. अधोलिखितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत –

(a)	कृत्यल्युटोबहुलम्	(i)	नर्तकी
(b)	षिद्गौराऽऽदिभ्यश्च	(ii)	चतुर्थी
(c)	आशिषिनाथः	(iii)	स्नानीयम्
(d)	स्पृहेरीप्सितः	(iv)	षष्ठी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

23. अर्थविस्तारस्योदाहरणमस्ति –

(A) जलदः

(B) पङ्कजः

(C) तैलम्

(D) मनुष्यः

24. 'सिद्धे शब्दार्थसम्बन्धे' अत्र सिद्धशब्दस्यार्थः ________ अस्ति।

(A) पक्वः

(B) पूर्णः

(C) नित्यः

(D) कार्यः

25. अधोलिखितेषु कुत्र कः प्रत्ययो भवति? चिनुत –

(a)	नर्तकी	(i)	टाप्
(b)	शार्ङ्गरवी	(ii)	ङीष्
(c)	कुमारी	(iii)	ङीन्
(d)	एता	(iv)	ङीप्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

26. निम्नलिखितकथनयोः विषये समीचीनं उत्तरं विचिनुत –

(a) ध्वनिपरिवर्तनस्य आभ्यन्तरकारणेषु 'प्रयत्नलाघवं' प्रमुखं नास्ति।

(b) ध्वनिपरिवर्तनस्य बाह्यकारणेषु 'अपूर्णानुकरणं' नास्ति।

(A) (a) सत्यम् (b) असत्यम्

(B) (a) असत्यम् (b) सत्यम्

(C) (a) सत्यम् (b) सत्यम्

(D) (a) असत्यम् (b) असत्यम्

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

27. निम्नलिखितकथनयोः विषये समीचीनं उत्तरं विचिनुत :

(a) 'प्रवीणः' पदम् अर्थविस्तारस्योदाहरणं अस्ति।

(b) 'अश्वः' पदम् अर्थसंकोचस्योदाहरणं नास्ति।

(A) (a) असत्यम् (b) सत्यम्

(B) (a) सत्यम् (b) असत्यम्

(C) (a) असत्यम् (b) असत्यम्

(D) (a) सत्यम् (b) सत्यम्

28. सांख्यमते कस्य किं स्वरूपं समीचीनं क्रमं चिनुत ?

(a)	प्रकृतिः	(i)	षोडशतत्त्वानां समूहः
(b)	विकृतिः	(ii)	महदाद्या सप्त
(c)	प्रकृतिः-विकृतिः	(iii)	प्रधानमव्यक्तं वा
(d)	न प्रकृतिर्नविकृतिः	(iv)	पुरुषः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

29. अज्ञानविषये __________ एतत् असत्यमस्ति।

(A) सदसद्भ्यामनिर्वचनीयम्

(B) त्रिगुणात्मकम्

(C) ज्ञानावरोधि

(D) अभावरूपम्

30. 'व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्' इत्यत्र 'ज्ञ' इति शब्देन कः - उच्यते ?

(A) पुरुषः

(B) प्रकृतिः

(C) सूक्ष्मशरीरः

(D) वृद्धिः

31. श्रवणादिव्यतिरिक्तविषयेभ्यो मनसो निग्रहः कथ्यते -

(A) दमः

(B) उपरतिः

(C) तितिक्षा

(D) शमः

32. सांख्यकारिकायां प्रमाणत्रयं स्वीक्रियते। तद्यथा -

(A) प्रत्यक्षम्, अनुमानम्, शब्दः

(B) प्रत्यक्षम्, उपमानम्, शब्दः

(C) प्रत्यक्षम्, अनुमानम्, उपमानम्

(D) उपमानम्, शब्दः, अनुमानम्

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

33. अधोलिखितानां विधीनां समीचीनं क्रमं निरूपयत –

(a) उत्पत्तिविधि: (i) प्रयोग प्रांशुभावबोधको विधि:

(b) विनियोगविधि: (ii) कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधि:

(c) अधिकारविधि: (iii) कर्मजन्य फलस्वाम्यबोधको विधि:

(d) प्रयोगविधि: (iv) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधि:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

34. समीचीनं मेलनं कुरुत –

(a) हृषीकेश: (i) देवदत्त:

(b) युधिष्ठिर: (ii) पौण्ड्र:

(c) भीम: (iii) पाञ्चजन्य:

(d) अर्जुन: (iv) अनन्तबिजय:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

35. 'ब्रत्रयम्' – इत्यत्र कानि पुराणानि ?

(A) ब्रह्मपुराणम्, ब्राह्मणपुराणम्, ब्राह्मपुराणम्

(B) ब्राह्मपुराणम्, बृहत्पुराणम्, ब्रह्मवैवर्तपुराणम्

(C) ब्रह्मपुराणम्, ब्रह्माण्डपुराणम्, ब्रह्मवैवर्तपुरा

(D) बृहत्पुराणम्, ब्रह्मपुराणम्, ब्रह्माण्डपुराणम्

36. अधस्तनेषु एकं पुराणेषु नास्ति –

(A) मत्स्यपुराणम्

(B) भविष्यपुराणम्

(C) अग्निपुराणम्

(D) नरसिंहपुराणम्

37. "मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे मति:" अस्मि श्लोकांशे 'मे मति:' इति पदेन कस्य मते: वर्णनम्

(A) दिलीपस्य

(B) रघो:

(C) कालिदासस्य

(D) वैवस्वतमनो:

38. रामायणस्य उपजीव्यत्वं प्रेरकत्वं वा नाटकं न अस्ति

(A) प्रतिमानाटकम्

(B) महावीरचरितम्

(C) प्रसन्नराघवम्

(D) मध्यमव्यायोगम्

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

39. महाभारतस्य 'पञ्चरत्नानि' इति कानि कथ्यन्ते ?

(A) भगवद्गीता, विष्णुसहस्रनाम, अनुगीता, भीष्मस्तवराजः, गजेन्द्रमोक्षः

(B) भगवद्गीता, विष्णुसहस्रनाम, अनुगीता, यक्षप्रश्नः, गजेन्द्रमोक्षः

(C) विदुरनीतिः, भगवद्गीता, विष्णुसहस्रनाम, अनुगीता, भीष्मस्तवराजः

(D) हरिवंशः, विदुरनीतिः, भगवद्गीता, अनुगीता, यक्षप्रश्नः

40. मनुस्मृतेः कस्मिन्–अध्याये राजधर्मस्य विवेचनमस्ति ?

(A) द्वितीये

(B) तृतीये

(C) चतुर्थे

(D) सप्तमे

41. नियुज्य देवा वरुणं प्रतीच्यां स्वस्था यथा
नोन्मनसो बभूवुः ।
पूर्व्वेतरस्यां दिशि पर्णदत्तं नियुज्य राजा
घृतिमांस्तथा भूत् ॥
उक्तिरियं कस्मिन् शिलालेखे कं राजानञ्च
निर्दिशति ?

(A) गिरनारशिलालेखः, अशोकः

(B) गिरनारशिलालेखः, स्कन्दगुप्तः

(C) गिरनारशिलालेखः, रुद्रदामन्

(D) मथुराशिलालेखः, चन्द्रगुप्तः

42. मनुस्मृतौ राजधर्मः युद्धनियमः .... अध्याये उल्लिखिताः ।

(A) तृतीयः

(B) पञ्चमः

(C) सप्तमः

(D) नवमः

43. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारं विधिपूर्वकं विवाहितस्त्रियां पुरुषः स्वयं यं पुत्रमुत्पादयति सः पुत्रः कः कथ्यते ?

(A) गूढजः

(B) औरसः

(C) कानीनः

(D) दत्तकः

44. "महती देवता ह्येषा नररूपेण तिष्ठति" – इति कस्मिन् प्रसङ्गे मनुना उक्तम् ।

(A) बालराजस्य प्रसङ्गे

(B) ब्रह्मचारिप्रसङ्गे

(C) स्नातकप्रसङ्गे

(D) ब्राह्मणप्रसङ्गे

45. याज्ञवल्क्यस्मृतौ दण्डस्य प्रकाराः के सन्ति ?

(A) धिग्दण्डः, वाग्दण्डः, धनदण्डः, वधः

(B) प्रहारदण्डः, निर्वासनम्, अर्थदण्डः, तुलादण्डः

(C) अग्निशुद्धिदण्डः, तुलादण्डः, करच्छेदः, नेत्रोत्पाटनम्

(D) मृत्युदण्डः, अर्थदण्डः, निर्वासनदण्डः, शिरच्छेदः

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

46. 'गुणानुरोधेन बिना न सत्क्रिया' कस्य ग्रन्थस्य – इयमुक्ति: ?
(A) रघुवंशस्य
(B) शिशुपालवधस्य
(C) किरातार्जुनीयस्य
(D) कुमारसंभवस्य

47. दशकुमारचरिते राजवाहनस्य पिता क: ?
(A) मित्रगुप्त:
(B) राजहंस:
(C) सिंहनाद:
(D) अपहारवर्मा

48. 'गङ्गायां घोष:' उदाहरणमस्ति –
(A) उपादानलक्षणाया:
(B) लक्षणलक्षणाया:
(C) सारोपालक्षणाया:
(D) रूढालक्षणाया:

49. रघुवंशस्य त्रयोदशसर्गे का कथा वर्णिता अस्ति ?
(A) रावणवधम्
(B) सीतापरित्याग:
(C) रामस्य राज्याभिषेक:
(D) रामस्य अयोध्याप्रत्यागमनम्

50. युधिष्ठिरेण अनुष्ठिते कस्मिन् यज्ञे भगवता श्रीकृष्णेन शिशुपालस्य वध: विधीयते ?
(A) राजसूययज्ञे
(B) पुत्रेष्टियज्ञे
(C) अश्वमेधयज्ञे
(D) विश्वजित्यज्ञे

51. काव्यप्रकाशकारमम्मटस्य मतानुसारं सङ्केतितोऽ कतिविध: अस्ति ?
(A) त्रिविध:
(B) द्विविध:
(C) षड्विध:
(D) चतुर्विध:

52. "योऽर्थ: सहृदयश्लाध्य: काव्यात्मेति व्यवस्थि वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ।" इति के उक्तम् ?
(A) आनन्दवर्द्धनेन
(B) मम्मटेन
(C) कविराज-विश्वनाथेन
(D) पण्ड़ितराज-जगन्नाथेन

53. अधोलिखितानां सूक्तीनां स्रोतसां क्रमं विचिनुत –

(a)	धर्मो हि यत्नै: पुरुषेण साध्यो	(i)	उत्तररामचरितम्
(b)	अर्थो हि कन्या परकीय एव	(ii)	रत्नावली
(c)	प्रभवति शुचिर्विम्बग्राहे मणिर्न मृदादय:	(iii)	अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(d)	प्रकृष्टस्य प्रेम्ण: स्खलितमविषह्यं हि भवति	(iv)	कर्णभारम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

54. नाट्यशास्त्रानुसारं नाट्यशाला: त्रिविधा: सन्ति, यथा:-

(A) विकृष्टप्रेक्षागृहम्, चतुरस्रप्रेक्षागृहम्, त्र्यस्रप्रेक्षागृहम्

(B) विकृष्टप्रेक्षागृहम्, स्फटिकप्रेक्षागृहम्, त्र्यस्रप्रेक्षागृहम्

(C) चतुरस्रप्रेक्षागृहम्, मृण्मयप्रेक्षागृहम्, विकृष्टप्रेक्षागृहम्

(D) मणिनिर्मितप्रेक्षागृहम्, स्फटिकप्रेक्षागृहम्, विकृष्टप्रेक्षागृहम्

55. समीचीनं मेलनं कुरुत -

(a)	नहि सर्व: सर्वं जानाति।	(i)	उत्तररामचरितम्
(b)	वज्रादपि कठोराणिमृदूतां कुसुमादपि।	(ii)	नैषधीयचरितम्
(c)	विचित्ररूपा खलु चित्तवृत्तय:।	(iii)	मुद्राराक्षसम्
(d)	अहो विधे! त्वां करुणा रुणद्धिनो।	(iv)	किरातार्जुनीयम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

56. कविकल्पितं लौकिकं वृत्तं समन्वितं शृङ्गारप्रधानं दृश्यकाव्यं किम्?

(A) नाटकम्

(B) प्रकरणम्

(C) प्रहसनम्

(D) समवकार:

57. "सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्त: करणप्रवृत्तय:" उक्तिरियं कस्यास्ति?

(A) दुष्यन्तस्य

(B) कण्वस्य

(C) माधव्य:

(D) शारद्वतस्य

58. "अचिन्त्यो हि मणि-मन्त्र औषधीनां प्रभाव:" इति सूक्तिविशिष्ट: ग्रन्थविशेष: क:?

(A) रत्नावली

(B) मृच्छकटिकम्

(C) उत्तररामचरितम्

(D) मुद्राराक्षसम्

59. अधोलिखितानां समीचीनां तालिकां चिनुत -

(a)	विशेषा:	(i)	अनन्ता:
(b)	समवाय:	(ii)	त्रिविध:
(c)	संस्कार:	(iii)	एक:
(d)	कर्माणि	(iv)	पञ्च

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

60. सप्तपदार्थानामुचितं क्रमं चिनुत –

(A) द्रव्यम्, गुण:, कर्म, सामान्य:, समवाय:, अभाव:, विशेष:

(B) द्रव्यम्, कर्म, गुण:, समवाय:, सामान्य:, विशेष:, अभाव:

(C) द्रव्यम्, गुण:, सामान्य:, कर्म, विशेष:, समवाय:, अभाव:

(D) द्रव्यम्, गुण:, कर्म, सामान्य:, विशेष:, समवाय:, अभाव:

61. अन्वयव्यतिरेकि केवलाऽन्वयि केवलव्यतिरेकि च लिङ्गम् –

(A) त्रिविधम्

(B) चतुर्विधम्

(C) पञ्चविधम्

(D) सप्तविधम्

62. एकस्मिन् धर्मणि विरुद्ध: नानार्थ: विमर्श: __________ भवति।

(A) तर्क:

(B) विपर्यय:

(C) संशय:

(D) आकांक्षा

63. तर्कसंग्रहानुसारेण क: द्रव्येषु न गण्यते ?

(A) काल:

(B) आत्मा

(C) बुद्धि:

(D) मन:

64. परमाणुरूपा पृथ्वी काऽस्ति ?

(A) नित्या

(B) अनित्या

(C) मिथ्या

(D) नित्यानित्या

65. विधेरुचित: क्रम: क: ? इति चीयताम्।

(A) हेतु:, निर्वचनम्, निन्दा, प्रशंसा, संशय:।

(B) हेतु:, निन्दा, प्रशंसा, संशय:, निर्वचनम्।

(C) हेतु:, निर्वचनम्, संशय:, निन्दा, प्रशंसा।

(D) हेतु: निन्दा:, संशय:, निर्वचनम्, प्रशंसा।

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

66. अधोलिखितानां मन्त्राणां सूक्तानुसारेण क्रमं चिनुत –

(a) चक्षुर्मित्रस्यवरुणस्याग्नेः (i) सूर्यसूक्तम्

(b) दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकम् (ii) उषस्सूक्तम्

(c) चन्द्ररथा सूनृता ईरयन्ती (iii) शिवसंकल्पसूक्तम्

(d) यस्य व्रत ओषधीर्विश्वरूपाः (iv) पर्जन्यसूक्तम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

67. कः विधिः कस्य बोधको भवति ? उचितं क्रमं विचिनुत –

(a) उत्पत्तिविधिः (i) प्रयोगप्रांशुभाव बोधकः

(b) विनियोगविधिः (ii) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधकः

(c) अधिकारविधिः (iii) कर्मस्वरूपमात्र बोधकः

(d) प्रयोगविधिः (iv) अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधकः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

68. समीचीनं क्रमं चिनुत –

(a) देशबन्धचित्तस्य (i) प्राणायामः

(b) तत्र प्रत्ययैकतानता (ii) समाधिः

(c) तस्मिन् सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः (iii) धारणा

(d) तदेवार्थमात्रनिर्भासं स्वरूपशून्यमिव (iv) ध्यानम्

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

69. व्यधिकरणतत्पुरुषसमासः कतिविधः ?

(A) नवविधः

(B) पञ्चदशविधः

(C) सप्तविधः

(D) एकादशविधः

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

70. समीचीनं क्रमं विचिनुत –

(a)	प्रत्यक्षानुमानागमाः	(i)	स्मृतिः
(b)	शब्दज्ञानानुपातीवस्तुशून्यः	(ii)	विपर्ययः
(c)	अनुभूतविषयासम्प्रमोषः	(iii)	प्रमाणानि
(d)	मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठम्	(iv)	विकल्पः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

71. "रमणीयता च लोकोत्तराह्लादजनक-ज्ञानगोचरता" इति केन उक्तम् ?

(A) मम्मटाचार्येण

(B) राजशेखरेण

(C) कुन्तकाचार्येण

(D) पण्डितराज जगन्नाथेन

72. गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यस्य कति भेदाः ?

(A) नव

(B) दश

(C) अष्ट

(D) पञ्च

73. अधोलिखितेषु एकं काव्यमीमांसा प्रतिपा प्रबन्धकाव्यभेदेषु नास्ति –

(A) शुद्धप्रबन्धकाव्यम्

(B) चित्रप्रबन्धकाव्यम्

(C) कथोत्थप्रबन्धकाव्यम्

(D) आख्यानकवन्मुक्तककाव्यम्

74. "येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिगृहीतममृतेन स इति मंत्रस्य देवता का ?

(A) मनः

(B) पर्जन्यः

(C) प्रजापतिः

(D) इन्द्रः

75. किम् सत्यम् ?

(A) शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यो – विपर्ययः

(B) शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यो – विकल्पः

(C) शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यो – प्रमाणम्

(D) शब्दज्ञानानुपाती वस्तुशून्यो – निद्रा

-o0o-

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिये जगह

उत्तर अंकित करने का समय : 2 घंटा 30 मिनिट
Time for marking answers : 2 Hour 30 Minutes

अधिकतम अंक : 1
Maximum Marks : 1

नोट :

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में 75 प्रश्न है - प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर, दी गई OMR उत्तर-शीट (आंसर-शीट) पर अंकित कीजिए।

3. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं किया जावेगा।

4. किसी भी तरह के कैलकुलेटर या लॉग टेबल एवं मोबाइल फोन का प्रयोग वर्जित है।

5. OMR उत्तर-शीट (आंसर-शीट) का प्रयोग करते समय ऐसी कोई असावधानी न करें/बरतें जिससे यह फट जाये उसमें मोड़ या सिलवट आदि पड़ जाये जिसके फलस्वरूप वह खराब हो जाये।

Note :

1. This Question Booklet contains 75 questions. Each question carries 2 marks. Answer questions.

2. Indicate your answers on the OMR Answer-Sheet provided.

3. No negative marking will be done.

4. Use of any type of calculator or log table and mobile phone is prohibited.

5. While using OMR Answer-sheet care should be taken so that the Answer-sheet does not g torn or spoiled due to folds and wrinkles.